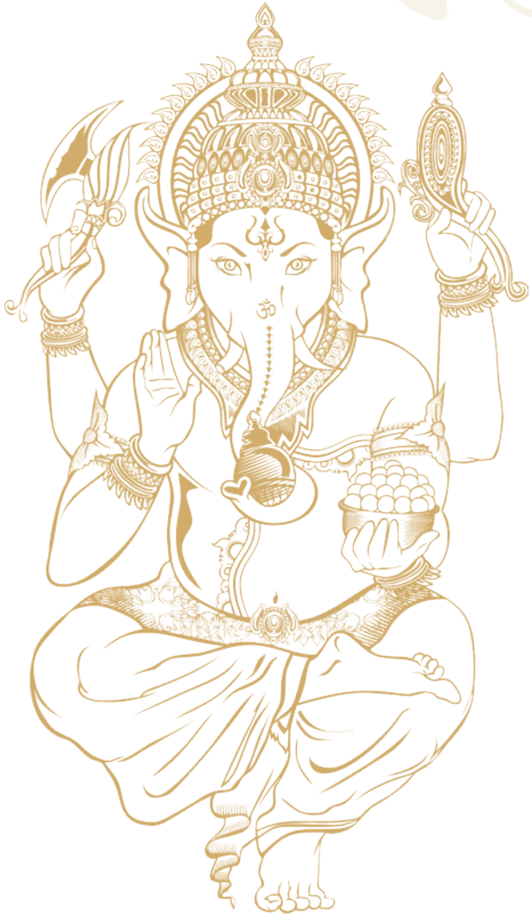

Akash Kumar Verma

22 Dec 1988

04:00 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121491805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/12/1988**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	53:17:19 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:03:32 घंटे
वेलान्तर	00:01:51 घंटे
साम्पातिक काल	10:06:21 घंटे
सूर्योदय	06:41:04 घंटे
सूर्यास्त	17:08:18 घंटे
दिनमान	10:27:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:35:37 धनु
लग्न के अंश	00:22:49 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:22:49	309:59:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			धनु	06:35:37	01:01:05	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	20:29:55	13:38:45	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	21:33:23	00:28:20	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	18:03:07	01:34:48	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
गुरु	व		वृष	03:49:46	00:05:40	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	11:31:15	01:14:51	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
शनि		अ	धनु	10:41:56	00:07:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:38:14	00:11:54	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:38:14	00:11:54	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:26:36	00:03:38	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	15:50:13	00:02:15	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:33:50	00:01:51	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	05:46:16	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:17

लग्न-चलित

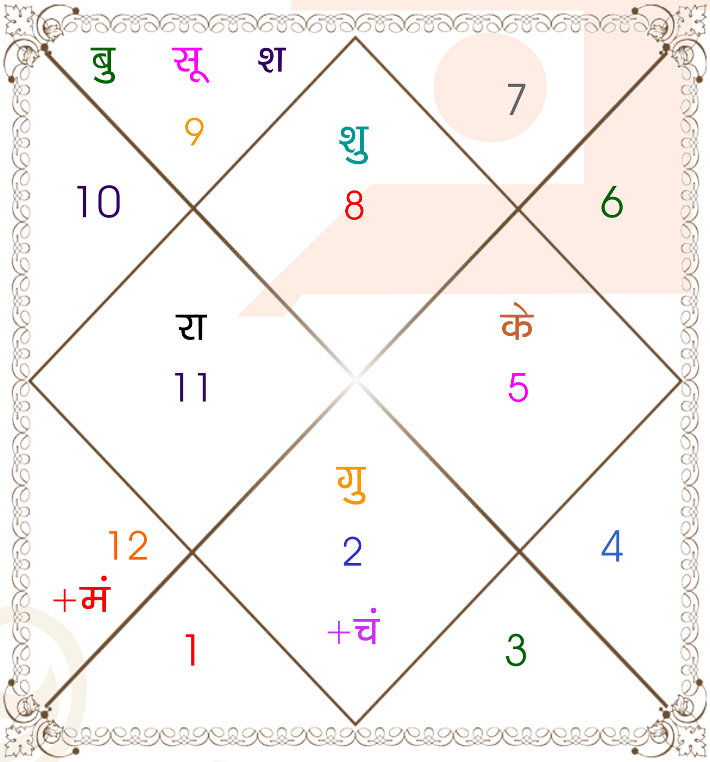

चन्द्र कुंडली

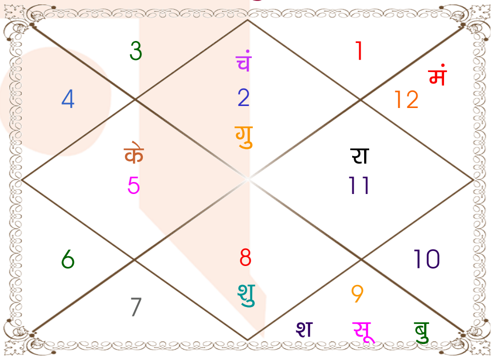

नवमांश कुंडली

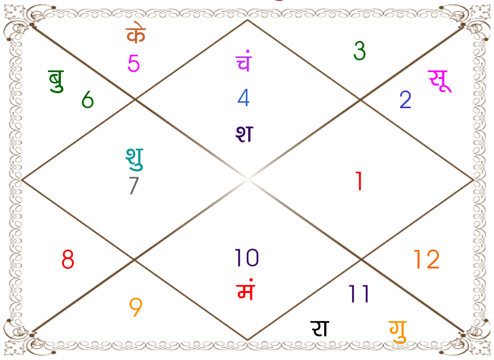

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 1 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
22/12/1988	**06/02/1991**	**06/02/1998**	**06/02/2016**	**06/02/2032**
06/02/1991	**06/02/1998**	**06/02/2016**	**06/02/2032**	**06/02/2051**
00/00/0000	मंगल 05/07/1991	राहु 19/10/2000	गुरु 27/03/2018	शनि 09/02/2035
00/00/0000	राहु 23/07/1992	गुरु 15/03/2003	शनि 07/10/2020	बुध 19/10/2037
00/00/0000	गुरु 29/06/1993	शनि 19/01/2006	बुध 13/01/2023	केतु 28/11/2038
00/00/0000	शनि 08/08/1994	बुध 07/08/2008	केतु 20/12/2023	शुक्र 28/01/2042
00/00/0000	बुध 05/08/1995	केतु 26/08/2009	शुक्र 20/08/2026	सूर्य 10/01/2043
00/00/0000	केतु 01/01/1996	शुक्र 25/08/2012	सूर्य 08/06/2027	चंद्र 10/08/2044
22/12/1988	शुक्र 02/03/1997	सूर्य 20/07/2013	चंद्र 07/10/2028	मंगल 19/09/2045
शुक्र 08/08/1990	सूर्य 08/07/1997	चंद्र 19/01/2015	मंगल 13/09/2029	राहु 26/07/2048
सूर्य 06/02/1991	चंद्र 06/02/1998	मंगल 06/02/2016	राहु 06/02/2032	गुरु 06/02/2051

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
06/02/2051	**06/02/2068**	**06/02/2075**	**06/02/2095**	**07/02/2101**
06/02/2068	**06/02/2075**	**06/02/2095**	**07/02/2101**	**00/00/0000**
बुध 05/07/2053	केतु 05/07/2068	शुक्र 08/06/2078	सूर्य 27/05/2095	चंद्र 08/12/2101
केतु 02/07/2054	शुक्र 04/09/2069	सूर्य 08/06/2079	चंद्र 25/11/2095	मंगल 09/07/2102
शुक्र 02/05/2057	सूर्य 10/01/2070	चंद्र 06/02/2081	मंगल 01/04/2096	राहु 08/01/2104
सूर्य 08/03/2058	चंद्र 11/08/2070	मंगल 08/04/2082	राहु 24/02/2097	गुरु 09/05/2105
चंद्र 08/08/2059	मंगल 07/01/2071	राहु 08/04/2085	गुरु 13/12/2097	शनि 08/12/2106
मंगल 04/08/2060	राहु 25/01/2072	गुरु 08/12/2087	शनि 25/11/2098	बुध 09/05/2108
राहु 21/02/2063	गुरु 31/12/2072	शनि 06/02/2091	बुध 02/10/2099	केतु 08/12/2108
गुरु 29/05/2065	शनि 09/02/2074	बुध 07/12/2093	केतु 06/02/2100	शुक्र 23/12/2108
शनि 06/02/2068	बुध 06/02/2075	केतु 06/02/2095	शुक्र 07/02/2101	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।